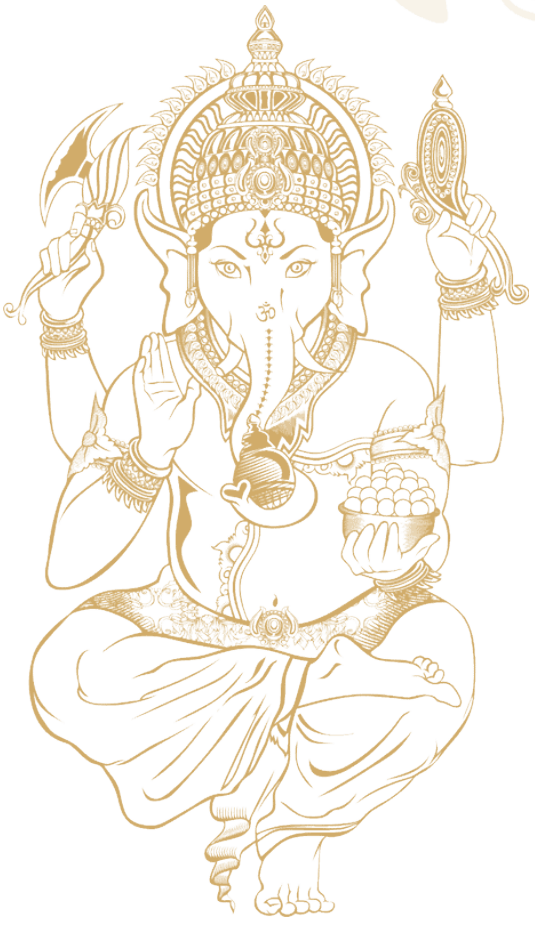

Gourab sharma

Garima sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121405802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/01/2003	जन्म तिथि	07/10/2003
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 15:30:00	जन्म समय	16:09:00 घंटे
घटी 19:54:04	जन्म समय(घटी)	24:14:24 घटी
India	देश	India
Samba	स्थान	Samba
32:32:00 उत्तर	अक्षांश	32:32:00 उत्तर
75:08:00 पूर्व	रेखांश	75:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:28	स्थानिक संस्कार	-00:29:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:32:22	सूर्योदय	06:27:14
17:40:42	सूर्यास्त	18:07:15
23:53:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 5वर्ष 11मा 16दि	26:23:53	वृष	लग्न	कुंभ	07:31:09	राहु 4वर्ष 1मा 7दि
केतु	24:49:23	धनु	सूर्य	कन्या	19:50:47	शनि
26/12/2025	12:28:59	मीन	चंद्र	कुंभ	16:57:40	14/11/2023
26/12/2032	01:05:58	वृश्चि	मंगल	कुंभ	06:53:48	13/11/2042
केतु 24/05/2026	00:22:18	मक व	बुध	कन्या	06:44:34	शनि 16/11/2026
शुक्र 24/07/2027	22:10:56	कर्क व	गुरु	सिंह	14:43:09	बुध 27/07/2029
सूर्य 29/11/2027	07:58:29	वृश्चि	शुक्र	तुला	03:10:38	केतु 04/09/2030
चन्द्र 29/06/2028	29:55:27	वृष व	शनि	मिथु	19:00:54	शुक्र 04/11/2033
मंगल 25/11/2028	13:55:51	वृष व	राहु व	मेष	27:06:23	सूर्य 17/10/2034
राहु 14/12/2029	13:55:51	वृश्चि व	केतु व	तुला	27:06:23	चन्द्र 17/05/2036
गुरु 20/11/2030	02:45:24	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	05:24:15	मंगल 26/06/2037
शनि 29/12/2031	15:57:49	मक	नेप व	मक	16:33:38	राहु 02/05/2040
बुध 26/12/2032	24:40:50	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:44:43	गुरु 13/11/2042

लग्न-चलित

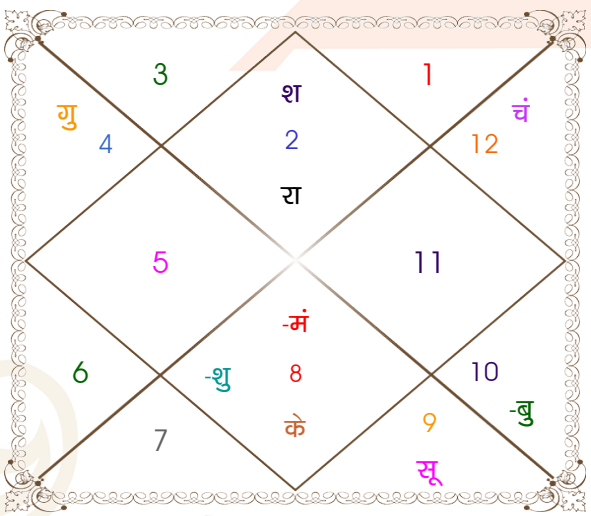

लग्न-चलित

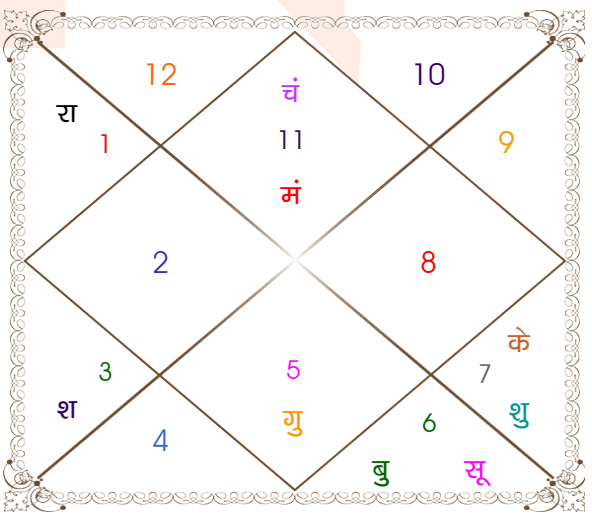

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ळवनतंइ ैतउं का वर्ग सिंह है तथा Garima sharma का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळवनतंइ ैतउं और Garima sharma का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ळवनतंइ ैतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळवनतंइ ैतउं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ळवनतंइ ैतउं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Garima sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Garima sharma कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Garima sharma कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ळवनतंइ्रीतउं कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ळवनतंइ्रीतउं कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळवनतंइ्रीतउं तथा Garima sharma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।